दक्षता और नवाचार को बढ़ाने पर किया मंथन

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर व वाणिज्य विभाग के सहयोग में 14 दिवसीय ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के नौवें दिन मुख्य वक्ता प्रोलीफ्रेटर एडवाइजरी एंड कंसलटिंग, मुंबई से मैनेजिंग पार्टनर देवाशीष सरकार रहे। उन्होंने बताया कि सतत सुधार एक निरंतर विकास की प्रक्रिया है जो नियमित मूल्यांकन, सीखने और अनुकूलन के माध्यम से संचालित होती है।

यह प्रक्रिया केवल दक्षता और नवाचार को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि यह लचीलापन, जवाबदेही और व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में दीर्घकालिक सफलता को भी प्रोत्साहित करती है। दूसरे सत्र में श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्रो. सूर्य प्रकाश ने शोधकर्ताओं को प्रभावशाली शोध परियोजना लेखन के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कुवि वाणिज्य विभाग के प्रो. अजय सुनेजा ने नवाचार के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के मित्तल स्कूल ऑफ बिजनेस की प्रो. बबली धीमान ने कहा कि रिटायरमेंट योजना वित्तीय समृद्धि का एक महत्वपूर्ण पहलू है। संवाद